

## धान की रिकॉर्ड खरीदी के बाद चावल जमा करने में छत्तीसगढ़ ने रचा कीर्तमान

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ ने केंद्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में एक नया कीर्तमान रचते हुए जून माह के अंत तक 50 लाख मीटरकि टन से अधिक चावल भारतीय खाद्य नगिम एवं नागरिकि आपूर्तनिगिम में जमा करा दिया है।

### प्रमुख बदि

- राज्य सरकार की कसिान हतिषी नीतियों एवं दूरदर्शी नरिणयों के फलस्वरूप खरीफ वर्ष 2021-22 में राज्य में सर्वाधिक धान उपाज्जन का कीर्तमान रचने के बाद समतियों से धान का उठाव और केंद्रीय पूल में चावल जमा कराने के मामले में भी छत्तीसगढ़ ने एक नया कीर्तमान रचा है।
- खरीफ वपिणन वर्ष 2021-22 में 97.99 लाख मीटरकि टन धान की समर्थन मूल्य पर रिकॉर्ड खरीदी के साथ ही राज्य में पहली बार माह अप्रैल-मई में ही उपाज्जन केंद्रों से शत-प्रतशित धान का उठाव पूरा कर लिया गया। इसके अलावा संग्रहण केंद्रों में भंडारति लगभग 22.90 लाख मीटरकि टन धान का भी शत-प्रतशित उठाव वर्षा पूर्व माह जून में ही कर लिया गया है।
- गौरतलब है कि खरीफ वपिणन वर्ष 2021-22 में उपाज्जति 97.99 लाख मीटरकि टन धान में से 75.03 लाख मीटरकि टन धान (लगभग 77 प्रतशित) का उपाज्जन केंद्रों से सीधे उठाव मलिरों द्वारा कथिा गया, जबकि खरीफ वपिणन वर्ष 2018-19 में उपाज्जति धान का 58 प्रतशित, वर्ष 2019-20 में उपाज्जति धान का 61 प्रतशित एवं वर्ष 2020-21 में उपाज्जति धान का 62 प्रतशित मात्रा का उपाज्जन केंद्रों से मलिरों द्वारा सीधे उठाव कथिा गया था।
- खरीफ वपिणन वर्ष 2021-22 में उपाज्जन केंद्रों से सीधे मलिरों द्वारा धान का रिकॉर्ड उठाव करने के कारण परविहन व्यय, सूखत की मात्रा एवं धान की सुरक्षा एवं रखरखाव के व्यय में भी बीते वर्षों की तुलना में कमी आई है।
- राज्य सरकार द्वारा धान उठाव व कस्टम मललिगि हेतु नरिधारति व्यवस्था व व्यवहारकि नीतियों के फलस्वरूप न केवल धान का समय पर उठाव सुनिश्चति हुआ, अपत्ति कस्टम मललिगि तेजी से हुई, जसिके कारण राज्य ने चावल जमा करने में उल्लेखनीय सफलता हासलि की है।
- अब तक भारतीय खाद्य नगिम में लगभग 25.74 लाख मीटरकि टन एवं नागरिकि आपूर्तनिगिम में लगभग 24.35 लाख मीटरकि टन इस प्रकार कुल 50.09 लाख मीटरकि टन चावल जमा कथिा जा चुका है।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020-21 में जून माह के अंत तक 36.56 लाख मीटरकि टन चावल जमा कथिा गया था। इस वर्ष जमा कराए गए चावल की मात्रा बीते वर्ष की तुलना में लगभग 13.44 लाख मीटरकि टन अधिक है। भारतीय खाद्य नगिम एवं नागरिकि आपूर्तनिगिम में चावल जमा का कार्य नरितर रूप से जारी है।